संशोधित पाठ्यक्रम

बी.ए. / बी.एस–सी. / बी.कॉम. / बी.एच.एस.–सी.

भाग – एक (आधार पाठ्यकम)

प्रश्न पत्र– प्रथम (हिन्दी भाषा)

(पेपर कोड –0101)

पूर्णांक– 75

नोट :–

1. प्रश्न पत्र 75 अंक का होगा।
2. प्रश्न पत्र अनिवार्य होगा ।
3. इसके अंक श्रेणी निर्धारण के लिए जोड़े जायेंगे।
4. प्रत्येक इकाई के अंक समान होंगे।

पाठ्य विषय :–

इकाई–1

क. पल्लवन, पत्राचार, अनुवाद, पारिभाषिक शब्दावली एवं हिंदी में पदनाम

ख. ईदगाह (कहानी) – मुंशी प्रेमचंद

इकाई–2

क. शब्द शुद्धि, वाक्य शुद्धि, शब्द ज्ञान–पर्यायवाची शब्द, विलोम शब्द, अनेकार्थी शब्द, समश्रुत शब्द, अनेक शब्दों के लिए एक शब्द एवं मुहावरे–लोकोक्तियाँ

ख. भारत वंदना (कविता)– सूर्यकान्त त्रिपाठी निराला

इकाई–3

क. देवनागरी लिपि – नामकरण, स्वरूप एवं देवनागरी लिपि की विशेषताएँ, हिंदी अपठित गद्यांश, संक्षेपण, हिंदी में संक्षिप्तीकरण

ख. भोलाराम का जीव (व्यंग्य) – हरिशंकर परसाई

इकाई–4

क. कम्प्यूटर का परिचय एवं कम्प्यूटर में हिंदी का अनुप्रयोग

ख. शिकागो से स्वामी विवेकानंद का पत्र

इकाई–5

क. मानक हिन्दी भाषा का अर्थ, स्वरूप, विशेषताएँ, मानक, उपमानक, अमानक भाषा

ख. सामाजिक गतिशीलता – प्राचीन काल, मध्यकाल, आधुनिक काल

मूल्यांकन योजना :–

प्रत्येक इकाई से एक–एक प्रश्न पूछा जाएगा। प्रत्येक प्रश्न में आंतरिक विकल्प होगा। प्रत्येक प्रश्न के 15 अंक होंगे । प्रत्येक प्रश्न के दो भाग 'क' और 'ख' होंगे एवं अंक कमशः 8 एवं 7 होंगे। प्रश्न–पत्र का पूर्णांक 75 निर्धारित है।

पाठ्यकम संशोधन का औचित्य :–

व्याकरण के बुनियादी ज्ञान, संप्रेषण, कौशल, सामाजिक संदेश एवं भाषायी दक्षता को ध्यान में रखते हुए यह पाठ्यकम प्रस्तावित है।

अध्यक्ष– हिंदी अध्ययन मंडल

SYLLABUS
B.COM. PART-I

GROUPING OF SUBJECTS AND SCHEME OF EXAMINATION

Subject		Max.	Min.
i) Environmental Studies Field Work	75 25	100	33
A. Foundation Course I. Hindi Language II. English Language		 75 75	 26 26
B. Three Compulsory Groups			
Group-I I. Financial Accounting II. Business Communication	 75 75	150	50
Group-II I. Business Mathematics II. Business Reg. Framework	 75 75	150	50
Group-III I. Business Environment II. Business Economics	 75 75	150	50

B.Com Part- I

Compulsory

Group – I Paper – I - Financial Accounting

OBJECTIVE – To Impart basic accounting knowledge as applicable to business.

Present Syllabus	Proposed Syllabus	Remark
UNIT –I Meaning and Scope of Accounting : Need, development and definition, objectives of accounting, difference between Book-keeping and accounting; Branches of accounting; Accounting Principles. Accounting Standard : International Accounting Standard only outlines, Accounting Standard in India. Accounting Transaction : Accounting Cycles Journal Rules of debit & Credit. Compound Journal Entry opening Entry Relationship between Journal & ledger, Capital & Revenue: Classification of Income & Expenditure entries.	**UNIT –I** Accounting :An Introduction: Development, Definition, Needs, objectives; Branches of accounting; Basic Accounting Principles, Concepts & Conventions. Accounting Standard : International Accounting Standard only outlines, Accounting Standard in India.. Accounting Transaction : Concept of Double Entry System, Concept of Capital & Revenue , Book of original records : Journal; Ledger; Sub-Division of Journal : Cashbook.	Addition of Sub Division of journal
UNIT –II Final Accounts; Trial balance; Manufacturing account; Trading account; Profit & loss account; Balance sheet; Adjustment entries. Rectification of errors; Classification of errors; Location of errors; Rectification of errors; Suspense account; Effect on profit.	**UNIT –II** Final Accounts; Trial balance; Manufacturing account; Trading account; Profit & loss account; Balance sheet; Adjustment entries. Rectification of errors; Classification of errors; Location of errors; Rectification of errors; Suspense account; Effect on profit.	No Change
UNIT –III Depreciation, Provisions, and Reserves; Concept of depreciation; Causes of deprecation; Depreciation, depletion amortization, Depreciation accounting; Methods of recording depreciation; Methods for providing depreciation; Depreciation of different assets; Depreciation of Replacement cost; Depreciation policy; as per Indian accounting Standard : provisions and Reserves. Accounts of Non-Trading Institutions.	**UNIT –III** Depreciation, Provisions, and Reserves; Concept of depreciation; Causes of deprecation; Depreciation, depletion amortization, Depreciation accounting; Methods of recording depreciation; Methods for providing depreciation; Depreciation of different assets; Depreciation of Replacement cost; Depreciation policy; as per Indian accounting Standard : provisions and Reserves. Accounts of Non-Trading Institutions.	No Change

Present Syllabus	Proposed Syllabus	Remark
UNIT –IV Special Accounting Areas : Branch Account : Dependent Branch : Debtors system, stock and debtor system : Hire-purchase and installment purchase system ; Meaning of hire-purchase contract, Legal provision regarding hire-purchase contract; Accounting for goods of substantial sale values, and accounting records for goods for small values ; Installment purchase system ; After sales Service.	**UNIT –IV** Special Accounting Areas : Hire-purchase and installment purchase system : Meaning of hire-purchase contract, Legal provision regarding hire-purchase contract; Accounting for goods of substantial sale values, and accounting records for goods for small values ; Installment purchase system ; After sales Service.	Ommission of Branch Accounting
UNIT –V a. Partnership Account : Essential characteristics of partnership: Partnership deed; Final accounts; Adjustment after closing the accounts ; Fixed fluctuating capital ; Goodwill ; AS- 10 ; Joint Life Policy ; Change in Profit Sharing Ratio. b. Reconstitution of a partnership firm-Admission of a partner ; Retirement of a partner ; Death of a partner; Dissolution of a firm ; Accounting entries; Insolvency of partnership firm-Modes of dissolution of a firm; Accounting entries ; Insolvency of partners distribution.	**UNIT –V** Partnership Account : Dissolution of a Partnership Firm, Amalgamation of Partnership Firms, Conversion of Partnership Firm into Joint Stock Company.	Ommission of Fundamental of Partnership, Admission, Retirement and Death of partner. Addition of Amalgamation of Partnership Firms, Conversion of Partnership Firm into Joint Stock Company.

बी.कॉम. भाग – एक

अनिवार्य

समूह–1 प्रश्नपत्र – 1 – वित्तीय लेखांकन

वर्तमान पाठ्यक्रम	प्रस्तावित पाठ्यक्रम
इकाई – 1 लेखांकन का अर्थ एवं क्षेत्र : आवश्यकता, विकास एवं परिभाषा, लेखांकन के उद्देश्य , पुस्तपालन एवं लेखांकन में अन्तर , लेखांकन की शाखाएं। लेखांकन सिद्धांत , लेखांकन मानक : अन्तर्राष्ट्रीय लेखांकन मानक (सिर्फ रूपरेखा) : भारत में लेखांकन मानक। लेखांकन व्यवहार : लेखांकन चक्र : पंजी (जर्नल) : डेबिट (विकलन) एवं क्रेडिट (समाकलन) के नियम, संयुक्त पंजी (जर्नल) प्रविष्टि, प्रारम्भिक प्रविष्टि : जर्नल एवं खाताबाही में सम्बन्ध, पूँजी एवं आगम : आय , व्यय एवं प्राप्तियों का वर्गीकरण। **इकाई – 2** तलपट , अन्तिम खाते : निर्माणी खाता, व्यापार खाता, लाभ–हानि खाता, चिट्ठा एवं समायोजन प्रविष्टियाँ। अशुद्धियों का सुधार या संशोधन, अशुद्धियों का वर्गीकरण, अशुद्धियों की स्थिति, अशुद्धियों का सुधार, उचंत खाता लाभ पर प्रभाव। **इकाई – 3** मूल्य ह्रास (अवक्षयण), आयोजन एवं संचय ;ह्रास की अवधारणा , ह्रास के कारण, मूल्य ह्रास रिक्तता, अपलेखन ह्रास लेखांकन, ह्रास अभिलेखन की विधियाँ; विभिन्न सम्पत्तियों पर ह्रास आयोजन की विधियाँ; प्रतिस्थापन लागत पर ह्रास , भारतीय लेखांकन मानक के अनुसार लेखांकन नीतियाँ, आयोजन एवं संचय ;गैर–व्यापारिक संस्थाओं के खाते। **इकाई – 4** विशेष लेखांकन क्षेत्रः (क) शाखा खाते : आश्रित शाखा, देनदार पद्धति , स्कन्ध एवं देनदार पद्धतिं। (ख) किराया क्रय एवं किस्त क्रय पद्धति : किराया क्रय अनुबन्ध का अर्थ, किराया क्रय अनुबन्ध संबंधित प्रॉवधान, अधिक मूल्य की वस्तुओं के लिए लेखांकन अभिलेख , किस्त क्रय पद्धति एवं क्रय पश्चात् सेवा।	**इकाई – 1** लेखांकन का परिचय : विकास, परिभाषा, आवश्यकता, उद्देश्य , लेखांकन की शाखाएं ;लेखांकन के सिद्धांत , अवधारणा एवं परंपराएं। लेखांकन मानक : अन्तर्राष्ट्रीय लेखांकन मानक (सिर्फ रूपरेखा) : भारत में लेखांकन मानक। लेखांकन व्यवहार ;दोहरी प्रविष्टि प्रणाली की अवधारणा। पूँजी एवं आगम की अवधारणा, मूल प्रविष्टि की पुस्तकें: जर्नल, खाताबही, जर्नल का विभाजन : रोकड़ पुस्तक । **इकाई – 2** तलपट , अन्तिम खाते : निर्माणी खाता, व्यापार खाता, लाभ–हानि खाता, चिट्ठा एवं समायोजन प्रविष्टियाँ। अशुद्धियों का सुधार या संशोधन, अशुद्धियों का वर्गीकरण, अशुद्धियों की स्थिति, अशुद्धियों का सुधार, उचंत खाता लाभ पर प्रभाव। **इकाई – 3** मूल्य ह्रास (अवक्षयण), आयोजन एवं संचय ;ह्रास की अवधारणा , ह्रास के कारण, ह्रास रिक्तता, अपलेखन ह्रास लेखांकन, ह्रास अभिलेखन की विधियाँ; विभिन्न सम्पत्तियों पर ह्रास आयोजन की विधियाँ; प्रतिस्थापन लागत पर ह्रास , भारतीय लेखांकन मानक के अनुसार लेखांकन नीतियाँ, आयोजन एवं संचय ;गैर–व्यापारिक संस्थाओं के खाते। **इकाई – 4** विशेष लेखांकन क्षेत्रः किराया क्रय एवं किस्त क्रय पद्धति : किराया क्रय अनुबन्ध का अर्थ, किराया क्रय अनुबन्ध संबंधित प्रॉवधान, अधिक मूल्य की वस्तुओं के लिए लेखांकन अभिलेख , किस्त क्रय पद्धति एवं क्रय पश्चात् सेवा। **इकाई – 5** साझेदारी खाते : साझेदारी फर्म का विघटन, साझेदारी फर्मो का एकीकरण, साझेदारी

वर्तमान पाठ्यक्रम	प्रस्तावित पाठ्यक्रम
इकाई – 5 (क) साझेदारी खाते : साझेदारी की सारभूत विशेषताएँ, साझेदारी संलेख ; अन्तिम खाते , खाते बंद होने के पश्चात् समायोजन; स्थिर एवं परिवर्तनशील पूँजी, ख्याति–लेखांकन मानक 10 संयुक्त जीवन बीमा पॉलिसी, लाभ विभाजन अनुपात में परिवर्तन, (ख) साझेदारी फर्म का पुनर्निर्माण ;फर्म में साझेदार का प्रवेश; साझेदार का अवकाश ग्रहण;साझेदार की मृत्यु, फर्म का विघटन, लेखांकन प्रविष्टियाँ, साझेदारी फर्म का दिवालिया होना, फर्म के विघटन की विधियाँ, लेखांकन प्रविष्टियाँ, साझेदार का दिवलिया होना, वितरण ।	फर्म की संयुक्त स्कन्ध प्रमण्डल में परिवर्तन।

Suggested Readings:

1. Gupta, R.L. and Radhaswamy. M; Financial Accounting ; Sultan Chand and Sons, New Delhi. (Both Hindi and English medium)
2. Monga J.R. Ahuja Girish, and Sehgal Ashok : Financial Accounting ; Mayur Paper Back, Noida.
3. Shukla. M.C., Grewal T.S. and Gupta, S.C. : Advanced Accounts; S. Chand & Co.. New delhi.
4. Singh B.K. ; Financial Accounting; Wisdom Publishing House, Varanasi.
5. S.M. Shukla; Financial Accounting ; Sahitya Bhawan Publication ; Agra. (Both Hindi and English medium)
6. Karim & Khanuja ; Financial Accounting ; SBPD Publishing House ; Agra. (Both Hindi and English medium)
7. Agrawal & Mangal ; Financial Accounting; Universal Publication. (Both Hindi and English medium)

B.Com Part- I

Compulsory

Group – II Paper – I - Business Mathematics

OBJECTIVE – To enable the students to have such minimum knowledge of mathematics as is applicable to business and economic situations.

Present Syllabus	Proposed Syllabus	Remark
UNIT –I Calculus (problems and theorems involving trigonometrical ratios are not to be done) Differentiation : Partial derivatives up to second order ; Homogeneity of functions and Euler's theorem. Maxima And Minima; Cases of one variable involving second or higher order derivatives: logarithm's	**UNIT –I** Simultaneous Equations– Meaning, Characteristics, Methods of Solving Equations in Two Variables– Graphical, Substitution, Elimination and Cross Multiplication. Linear Programming –Formulation of LLP : Graphical method of solution ; Problems relating to two variables including the case of mixed constraints .	Omittion of Calculus - Differentiation . Addition of Chapter Simultaneous Equation.
UNIT –II Matrices and Determinants : Definition of a matrix ; Type of a matrices ; Algebra of matrices ; Properties of determinants ; Calculation of values of determinants upto third order ; Adjoint of a matrix, elementary of row or column operations; Finding inverse of a matrix through adjoint and elementary row or column operations; Solution of a system of linear equations having unique solution and involving not more than three variables.	**UNIT –II** Matrices and Determinants : Definition of a matrix ; Type of a matrices ; Algebra of matrices ; Properties of determinants ; Calculation of values of determinants upto third order ; Logarithm's & Antilogarithm's.	Omittion of Adjoint, elementary of row or column operations; inverse of a matrix.
UNIT –III Linear Programming –Formulation of LLP : Graphical method of solution ; Problems relating to two variables including the case of mixed constraints ; Cases having no solution, multiple solutions : unbounded solutions and redundant constraints. Transportation Problem , Ratio & Proportion.	**UNIT –III** Simple interest and Compound Interest . Annuties : Types of annuities ; Present value and amount of an annuity, including the case of continuous compounding ; Valuation of simple loans and debentures; Problems relating to sinking funds.	
UNIT –IV Compound interest and Annuities : Certain different types of interest rates ; Concept of present value and amount of a sum ; Types of annuities ; Present value and amount of an annuity, including the case of continuous compounding ; Valuation of simple loans and debentures; Problems relating to sinking funds.	**UNIT –IV** Ratio & Proportion. Average, Percentage.	
UNIT –V Average, Percentages, Commission Brokerage, Profit and loss.	**UNIT –V** Commission, Brokerage, Discount, Profit and loss.	

बी,कॉम. भाग – एक

अनिवार्य

समूह–2 प्रश्नपत्र – 1 – व्यावसायिक गणित

वर्तमान पाठ्यक्रम	प्रस्तावित पाठ्यक्रम
इकाई – 1 कलन : अवकलन : आंशिक अवकलज– द्वितीय क्रम तक, फलनो की समघातीयता एवं यूलर प्रमेय, उच्चिठ एवं निम्निष्ठ – एक चर के द्वितीय या उच्च क्रम से जुड़े सवाल । लघुगणक।	इकाई – 1 – युगपद् समीकरण – अर्थ, विशेषताऐं, दो चर वाले समीकरण को हल करने की विधियॉं – रेखीय विधि,प्रतिस्थापन विधि, विलोपन विधि, वज्रगुणन विधि। रेखीय प्रक्रमन : रेखीय प्रक्रमन समस्या को गणितीय रूप मे लिखना : ग्राफीक विधि से हल, द्विचर से संबंधित मिश्रित निबाध समस्याएं।
इकाई – 2 आव्यूह एवं सारणिक : आव्यूह की परिभाषा , आव्यूह के प्रकार, आव्यूह बीजगणित, सारणिक के गुण, तृतीयक्रम के सारणिकों के मान की गणना, आव्यूह का सहखण्डज , पंक्ति या स्तम्भ मूल क्रियाएं, मूल पंक्ति या स्तम्भ क्रियाओं द्वारा आव्यूह का व्युत्क्रम ज्ञात करना , अद्वितीय हल रखने वाली तथा तीन से अधिक चर न रखने वाली युगपत् समीकरणों का हल।	**इकाई – 2** आव्यूह एवं सारणिक : आव्यूह की परिभाषा , आव्यूह के प्रकार, आव्यूह बीजगणित, सारणिक के गुण, तृतीयक्रम के सारणिकों के मान की गणना। लघुगणक एवं प्रतिलघुगणक।
इकाई – 3 रेखीय प्रक्रमन : रेखीय प्रक्रमन समस्या को गणितीय रूप मे लिखना : ग्राफीक विधि से हल, समस्या का कोई सम्भव हल नही, अनेक हल, असीम समस्या का हल, व्यर्थ निबाध। परिवहन समस्या , अनुपात एवं समानुपात।	**इकाई – 3** साधारण ब्याज एवं चक्रवृद्धि ब्याज । वार्षिकी : वार्षिकी के प्रकार , वार्षिकी का वर्तमान मूल्य एवं मिश्रधन, ब्याज का सतत संयोजन, साधारण ऋण एवं ऋणपत्र का मूल्यांकन , शोधन निधि के प्रश्न।
इकाई – 4 चक्रवृद्धि ब्याज एवं वार्षिकी : विभिन्न प्रकार की ब्याज दरें, वर्तमान मूल्य एवं मिश्रधन की गणना, वार्षिकी के प्रकार , वार्षिकी का वर्तमान मूल्य एवं मिश्रधन, ब्याज का सतत संयोजन, साधारण ऋण एवं ऋणपत्र का मूल्यांकन , शोधन निधि के प्रश्न।	**इकाई – 4** अनुपात एवं समानुपात। औसत : साधारण, भारित एवं सांख्यकीय औसत (समान्तर माध्य)। प्रतिशतता।
इकाई – 5 औसत, प्रतिशतता, कमीशन एवं दलाली, लाभ एवं हानि	**इकाई – 5** कमीशन, दलाली, बट्टा, लाभ एवं हानि। परिवहन समस्या।

Suggested Readings:

1. Dr. Amarnath Dikshit, Dr. Jinendra Kumar Jain; Business Mathematics ;Himalaya Publishing House, Mumbai. (Both Hindi and English medium)
2. N.K. Nag : Business Mathematics; Kalyani publication, New Delhi. .
3. Dr. V.K. Shukla. : Business Mathematics; Madhya Pradesh hindi Granth Academy: Bhopal.
4. S.M. Shukla; Business Mathematics; Sahitya Bhawan Publication ; Agra. (Both Hindi and English medium)
5. Dr. Karim & Agrawal ; Business Mathematics; SBPD Publishing House ; Agra. (Both Hindi and English medium)
6. Dr. Ramesh Mangal; Business Mathematics; Satish Printer and Publishers, Indore.

B.Com Part- I

Compulsory

Group – I Paper – II - BUSINESS COMMUNICATION

OBJECTIVE – To develop effective business communication skills among the students.

Present Syllabus	Proposed Syllabus	Remark
UNIT –I Introducing Business Communication : Definitions, concept and Significance of communication, Basic forms of communicating ; Communication models and process principles of effective communication; Theories of communication; Audience analysis. Self Development and Communication ; Development of positive personal attitudes, SWOT analysis; Vote's model of interdependence ; Whole Communication.	**UNIT –I** Introducing Business Communication : Definitions, concept and Significance of communication, Basic forms of communicating ; Communication models and process; principles of effective communication; Theories of communication; Self-Development and Communication ; Development of positive personal attitudes, SWOT analysis;	Omission of Vote's model of interdependence.
UNIT –II Corporate Communication : Formal and Informal communication networks; Grapevine; Miscommunication (Barriers) ; improving communication Practices in business communication ; Group discussions ; Mock interviews, Seminars; Effective listening exercises, Individual and group presentations and report writing.	**UNIT –II** Corporate Communication : Formal and Informal communication networks; Grapevine; Miscommunication (Barriers) ; improving communication. Practices in business communication ; Group discussions ; Seminars; Effective Listening : Principles of effective listening; Factor affective listening exercises; Oral, Written, and video session, Audience analysis and feedback.	Balancing of Syllabus and omitted repeatation .
UNIT –III Writing skill : Planning business messages; Rewriting and editing; The first draft; Reconstructing the final draft; Business letters and memo formats; Appearance request letters; Good news and bad new letters; Persuasive letters; Sales letters; Collection letters; Office memorandum.	**UNIT –III** Writing skill : Business letters – Defination, concepts ,structure, advantages disadvantage, need and kinds of business letter ,Essentials of effective business letter. Good news and bad new letters; Office memorandum. Writing Resume and Letter of Job Application.	
UNIT –IV Report Writing : Introduction to a proposal, Short report and formal report , report preparation. Oral Presentation : Principles of oral presentation, factor affecting presentation, sales presentation, training presentation, conducting surveys, speeches to motivate, presentation skill.	**UNIT –IV** Report Writing : Introduction to a proposal, Short report and formal report , report preparation. Oral Presentation : Principles of oral presentation, factor affecting presentation, sales presentation, training presentation, conducting surveys, speeches to motivate, presentation skill.	

Present Syllabus	Proposed Syllabus	Remark
UNIT –V Non-Verbal Aspects of Communicating. Body Language : Kinesics, Proxemics, Para Language. Effective listening : Principles of effective listening; Factor affective listening exercises; Oral, Written, and video session. Interviewing skills : Appearing in interviews; Conducting interviews; writing resume and letter of application . Modern Forms of Communicating : Fax; E-Mail; video conferencing; etc. International Communication ; Cultural sensitiveness and cultural context ; Writing and presenting in international situations; Inter cultural factors in interactions; Adapting to Global business.	**UNIT –V** Non-Verbal Aspects of Communicating. Body Language : Kinesics, Proxemics, Para Language. Interviewing skills : Appearing in interviews; Conducting interviews; mock interview. Modern Forms of Communicating : Fax; E-Mail; video conferencing; etc. International Communication for global business.	

बी,कॉम. भाग – एक
अनिवार्य
समूह–1 प्रश्नपत्र – 2 – व्यावसायिक संचार

वर्तमान पाठ्यक्रम	प्रस्तावित पाठ्यक्रम
इकाई – 1 व्यावसायिक संचार परिचय : परिभाषा , अवधारणाएं एवं संचार का महत्व, संचार के आधारभूत प्रकार एवं मॉडल एवं प्रभावी संचार के सिद्धांत , प्रक्रिया , श्रोता विश्लेषण। आत्म विकास एवं संचार , सकारात्मक व्यक्तिगत दृष्टिकोण का विकास , स्वॉट विश्लेषण , मतो की परस्पर निर्भरता का प्रतिरूप।	**इकाई – 1** व्यावसायिक संचार परिचय : परिभाषा , अवधारणाएं एवं संचार का महत्व, संचार के आधारभूत प्रकार एवं मॉडल, प्रक्रिया एवं प्रभावी संचार के सिद्धांत । आत्म विकास एवं संचार , सकारात्मक व्यक्तिगत दृष्टिकोण का विकास , स्वॉट विश्लेषण ।
इकाई – 2 व्यावसायिक संस्था का संचार तंत्र :– औपचारिक एवं अनौपचारिक संचार तंत्र, अंगूरी लता संचार, संचार की बाधाएं एवं सुधार। व्यवहार में व्यावसायिक संचार :– सामूहिक परिचर्चा, साक्षात्कार, संगोष्ठी , प्रभावपूर्ण सूनना , व्यक्तिगत एवं सामुहिक प्रस्तुतीकरण एवं रिर्पोट लेखन।	**इकाई – 2** व्यावसायिक संस्था का संचार तंत्र :– औपचारिक एवं अनौपचारिक संचार तंत्र, अंगूरी लता संचार, संचार की बाधाएं एवं सुधार। व्यवहार में व्यावसायिक संचार :– सामूहिक परिचर्चा, संगोष्ठी , प्रभावपूर्ण सूनना : प्रभावपूर्ण सूनने के सिद्धांत, प्रभावपूर्ण सूनने के कारक, मौखिक , लिखित एवं विडियो सत्र का व्यवहारिक अध्ययन, श्रोता विश्लेषण एवं प्रतिपुष्टी।
इकाई – 3 लेखन कुशलता : व्यावसायिक संदेश की योजना एवं उसे संशोधित करना, प्रथम मसौदा, अंतिम मसौदा का पुनर्निर्माण , व्यावसायिक पत्र एवं ज्ञापन, प्रारूप : निवेदन पत्र , अनुकुल एवं प्रतिकुल संवाद पत्र, प्रेरक पत्र, विक्रय संबंधी पत्र, तकादे का पत्र या संग्रहण पत्र ,कार्यालयीन ज्ञापन व पत्र ।	**इकाई – 3** लेखन कुशलता : व्यावसायिक पत्र – परिभाषा, अवधारणा, संरचना, गुण दोष , आवश्यकता एवं विभिन्न प्रकार के व्यावसायिक पत्र , प्रभावी व्यापारिक पत्र व्यवहार के मूल तत्व। अनुकुल एवं प्रतिकुल संवाद पत्र, कार्यालयीन ज्ञापन व पत्र । जीवनवृत लेखन एवं नौकरी के लिए आवेदन पत्र।
इकाई – 4 रिर्पोट लेखन – एक प्रस्ताव का परिचय , लघु रिर्पोट एवं औपचारिक रिर्पोट ,रिर्पोट लेखन की तैयारी। मौखिक प्रस्तुती : मौखिक प्रस्तुती के सिद्धांत , प्रस्तुतीकरण को प्रभावित करने वाले कारक, विक्रय प्रस्तुतीकरण , प्रशिक्षण प्रस्तुतीकरण, सर्वेक्षण आयोजित करना, प्रेरक भाषण, प्रभावी प्रस्तुती कौशल।	**इकाई – 4** रिर्पोट लेखन – एक प्रस्ताव का परिचय , लघु रिर्पोट एवं औपचारिक रिर्पोट ,रिर्पोट लेखन की तैयारी। मौखिक प्रस्तुती : मौखिक प्रस्तुती के सिद्धांत , प्रस्तुतीकरण को प्रभावित करने वाले कारक, विक्रय प्रस्तुतीकरण , प्रशिक्षण प्रस्तुतीकरण, सर्वेक्षण आयोजित करना, प्रेरक भाषण, प्रभावी प्रस्तुती कौशल।

वर्तमान पाठ्यक्रम	प्रस्तावित पाठ्यक्रम
इकाई – 5 अशाब्दिक संचार के पहलू – दैहिक भाषा : समय एवं पार्श्व भाषा , प्रभावपूर्ण सूनना : प्रभावपूर्ण सूनने के सिद्धांत, प्रभावपूर्ण सूनने के कारक, मौखिक , लिखित एवं विडियो सत्र का व्यवहारिक अध्ययन। साक्षात्कार कुशलता : साक्षात्कार में शामिल होना, साक्षात्कार का आयोजन, जीवनवृत – सारांश लेखन एवं आवेदन पत्र। संचार के आधुनिक रूप – फैक्स , ई मेल, वीडियो कॉन्फ्रेसिंग आदि अंतराष्ट्रीय संचार : सांस्कृतिक संवेदनशीलता एवं सांस्कृतिक संदर्भ , अंतराष्ट्रीय स्थितियों मे लेखन और प्रस्तुतीकरण करना : अंतराष्ट्रीय क्रियाओं में अंतराष्ट्रीय सांस्कृतिक कारक , वैश्विक व्यापार के संदर्भ में।	**इकाई – 5** अशाब्दिक संचार के पहलू – दैहिक भाषा , समय एवं पार्श्व भाषा , साक्षात्कार कुशलता : साक्षात्कार में शामिल होना, साक्षात्कार का आयोजन, मॉक साक्षात्कार। संचार के आधुनिक रूप – फैक्स , ई मेल, वीडियो कॉन्फ्रेसिंग आदि अंतराष्ट्रीय संचार : सांस्कृतिक संवेदनशीलता एवं सांस्कृतिक संदर्भ , भूमण्डलीय व्यावसाय के लिए अंतराष्ट्रीय संप्रेषण।

Suggested Readings:

1. Dr. P. K. Agrawal, Dr. A.K. Mishra ; Business Communication ; Sahitya Bhawan Publication ; Agra (Hindi medium)
2. Balasubramanyam: Business Communication; Vikas Publishing House, Delhi. (English medium)
3. Dr. Vinod Mishra : Business Communication; Sahitya Bhawan Publication ; Agra. (Hindi medium)
4. Kaul : Effective Business Communication; Prentice Hall, New Delhi. (English medium)
5. Patri VR : Essentials of Communication ; Greenspan Publications, New Delhi. (English medium)
6. Senguin J : Business Communication; The Real World and Your Career, Allied Publishers , New Delhi. (English medium)
7. Dr. Mishra , Shukla & Patel ; Business Communication ; SBPD Publishing House, Agra. (Both Hindi and English medium)

B.Com Part- I

Compulsory

Group – II Paper – II – BUSINESS REGULATORY FRAMEWORK

OBJECTIVE – To provide a brief idea about the framework of Indian business laws.

Present Syllabus	Proposed Syllabus	Remark
UNIT –I Law of Contract (1872) : Nature of contract ; Classification ; Offer and acceptance; Capacity of parties to contract, free consent, Considerations, Legality of object; Agreement declared void; Performance of contract; Discharge of contract; Remedies for breach of contract.	**UNIT –I** Law of Contract (1872) –I : Nature of contract ; Classification ; Offer and acceptance; Capacity of parties to contract, free consent, Considerations, Legality of object; Agreement declared void.	Balancing of Syllabus
UNIT –II Special contracts; Indemnity ; Guarantee; Bailment and pledge; Agency.	**UNIT –II** Law of Contract (1872) - II : Performance of contract, Discharge of contract; Remedies for breach of contract. Special contracts; Indemnity ; Guarantee; Bailment and pledge; Agency.	
UNIT –III Sale of Goods Act (1930) ;Formation of contracts of sale ;Goods and their classification, price, Conditions and warranties; Transfer of property in goods; Performance of the contract of sales; Unpaid seller and his rights; sale by auction; Hire purchase agreement.	**UNIT –III** Sale of Goods Act (1930) ;Formation of contracts of sale ;Goods and their classification, price, Conditions and warranties; Transfer of property in goods; Performance of the contract of sales; Unpaid seller and his rights; sale by auction; Hire purchase agreement.	
UNIT –IV Negotiable Instrument Act (1881) : Definition of negotiable instrument; Feature; Promissory note; Bill of exchange & cheque; Holder and holder in the due course; Crossing of a cheque, types of crossing; Negotiation; Dishonuor and discharge of negotiable instrument.	**UNIT –IV** Negotiable Instrument Act (1881) : Definition of negotiable instrument; Feature; Promissory note; Bill of exchange & cheque; Holder and holder in the due course; Crossing of a cheque, types of crossing; Negotiation; Dishonor and discharge of negotiable instrument.	
UNIT –V The Consumer Protection Act 1986 : Sailent features; Definition of consumer ; Grievance redressal machinery; Foreign Exchange Management Act 2000 : Definition and main provisions, Right to Information Act 2005(Main Provision)	**UNIT –V** The Consumer Protection Act 1986 : Main Provision, Definition of consumer ,Consumer Disputes , Grievance redressal machinery ; Indian Partnership Act 1932. Limited Liabilities Partnership Act 2008. Introduction of Intellectual Property Right Act – Copyright, Patent & Trademark.	Replaced FEMA & RTI with Partnership act, LLP Act 2008 and Intellectual property right act.

बी,कॉम. भाग – एक
अनिवार्य
समूह–2 प्रश्नपत्र – 2 – व्यावसायिक नियमन रूपरेखा

वर्तमान पाठ्यक्रम	प्रस्तावित पाठ्यक्रम
इकाई – 1 भारतीय अनुबंध अधिनियम (1872) : अनुबंध की प्रकृति : वर्गीकरण , प्रस्ताव तथा स्वीकृति, अनुबंध के योग्य पक्षकार , पक्षकारो की स्वतंत्र सहमति , प्रतिफल, उद्देश्य की वैधता , व्यर्थ घोषित ठहराव : अनुबंध का निष्पादन , अनुबंधो की समाप्ति , अनुबंध भंग के उपाय एवं परिणाम। **इकाई – 2** विशिष्ट अनुबंध : क्षतिपूर्ति , प्रतिभूति, निक्षेप, गिरवी अनुबंध, एजेंसी।	**इकाई – 1** भारतीय अनुबंध अधिनियम (1872) : अनुबंध की प्रकृति : वर्गीकरण , प्रस्ताव तथा स्वीकृति, अनुबंध के योग्य पक्षकार , पक्षकारो की स्वतंत्र सहमति , प्रतिफल, उद्देश्य की वैधता , व्यर्थ घोषित ठहराव । **इकाई – 2** अनुबंध का निष्पादन ;अनुबंधो की समाप्ति , अनुबंध भंग के उपाय एवं परिणाम। विशिष्ट अनुबंध : क्षतिपूर्ति , प्रतिभूति, निक्षेप , गिरवी अनुबंध, एजेंसी।
इकाई – 3 वस्तु विक्रय अधिनियम (1930) : वस्तु विक्रय अनुबंध का निर्माण , माल का वर्गीकरण , कीमत, शर्ते और आश्वासन , माल के स्वामित्व का हस्तांतरण, विक्रय अनुबंध का निष्पादन , अदत्त विक्रेता के अधिकार , नीलाम द्वारा विक्रय , किराया क्रय ठहराव।	**इकाई – 3** वस्तु विक्रय अधिनियम (1930) : वस्तु विक्रय अनुबंध का निर्माण , माल का वर्गीकरण , कीमत, शर्ते और आश्वासन , माल के स्वामित्व का हस्तांतरण, विक्रय अनुबंध का निष्पादन , अदत्त विक्रेता के अधिकार , नीलाम द्वारा विक्रय , किराया क्रय ठहराव।
इकाई – 4 विनिमय साध्य विलेख अधिनियम (1881) : परिभाषाएं, विशेषताएं , प्रतिज्ञा पत्र, विनिमय विपत्र और धनादेश (चैक) : धारक तथा यथाविधिधारी , रेखांकित चैक, रेखांकन के प्रकार, परक्रामण, विनिमय साध्य विलेख का अनदारण व मुक्ति।	**इकाई – 4** विनिमय साध्य विलेख अधिनियम (1881) : परिभाषाएं, विशेषताएं , प्रतिज्ञा पत्र, विनिमय विपत्र और धनादेश (चैक) : धारक तथा यथाविधिधारी , रेखांकित चैक, रेखांकन के प्रकार, परक्रामण, विनिमय साध्य विलेख का अनदारण व मुक्ति।
इकाई – 5 उपभेक्ता संरक्षण अधिनियम (1986) : मुख्य विशेषताएं , उपभोक्ता की परिभाषा , उपभोक्ता विवाद निवारण अभिकरण। मुख्य प्रावधान , सूचना का अधिकार अधिनियम (2005) – मुख्य प्रावधान।	**इकाई – 5** उपभेक्ता संरक्षण अधिनियम (1986) : मुख्य विशेषताएं , उपभोक्ता की परिभाषा , उपभोक्ता विवाद निवारण अभिकरण। भारतीय साझेदारी अधिनियम 1932। सीमित दायित्व वाली साझेदारी अधिनियम 2008। बौद्धिक संपदा अधिकार अधिनियम का परिचय – कॉपीराईट, पेटेन्ट एवं ट्रेडमार्क।

Suggested Readings:

1. Kuchal M.C. ; Business Law ; Vikas Publishing House, Delhi. (English medium)
2. Kapoor N.D. : Business Law ; Sultan Chand & Sons, New Delhi. (English medium)
3. Chandha P.R. : Business Law; Galgotia ,New Delhi. (English medium)
4. Dr. J.K. Vaishnav : Business Law; Sahitya Bhawan publication, Agra. (English medium)
5. Prof. R. C. Agrawal; Business Regulatory Framework; SBPD Publishing House, Agra. (Hindi medium)
6. K.R. Bulchandani; Business Law; Himalaya Publishing House , Mumbai. (Both Hindi and English medium)
7. R.L. Navlakha; Business Law; Ramesh Book depot, Jaipur. (Both Hindi and English medium)
8. Arun Kumar Gangele; Business Regulatory Framework; Ram Prasad & Sons, Agra. (Hindi medium)

B.Com Part- I

Compulsory

Group – III Paper – I– BUSINESS ENVIRONMENT

OBJECTIVE – To acquainting the students with the emerging issues in business at the national and international level in the light of the policies of liberalization and globalization.

Present Syllabus	Proposed Syllabus	Remark
UNIT –I Indian Business Environment : Concept, components and importance Economic Trends (overview) : Income : Saving and investment ; industry; Trade and balance of payment, Money ; Finance ; Prices.	**UNIT –I** Business Environment : Concept, Components and Importance ,Economic Trends (overview) : Income : Saving and investment ; Trade and balance of payment, Money and Finance .	
UNIT –II Problems of Growth : Unemployment ; Poverty ; Regional imbalances ; social injustice; Inflation ; Parallel economy ; Industrial sickness.	**UNIT –II** Problems of Growth : Unemployment ; Poverty ; Regional imbalances ; Social Injustice;Inflation ; Parallel economy ; Industrial sickness.	
UNIT –III Role of Government ; Monetary and fiscal policy ; Industrial policy ; Industrial licensing. Privatization ; Devaluation; Export-Import policy; Regulation of foreign investment; Collaborations in the light of recent changes.	**UNIT –III** Role of Government ; Monetary and fiscal policy ; Industrial policy ; Industrial licensing. Privatization ; Liberalisation, Globalisation Devaluation; Demonitisation; Export-Import policy.	Addition of Liberalization, Globalization and Demonitisation.
UNIT –IV Review of Previous Plans, the current five year Plan, major policy, Resources Allocation.	**UNIT –IV** Economic Planning in India : Need, objectives, Strategy; Review of Previous Plans, Planning Commission. Foreign Exchange Management Act 2000 : Basic Concept and Main Provisions.	Addition of Planning Commission and omitted current five year plan.
UNIT –V International Environment ; international trading environment (overview); Trends in World trade and the problems of developing countries; Foreign trade and economic growth; International economic groupings ; International economic institutions – GATT. WTO World Bank. IMF; FDI; Counter trade.	**UNIT –V** International Environment ; Trends in World trade and the problems of developing countries; Foreign trade and economic growth; International economic groupings – GATT. ,WTO ,UNCTAD, World Bank, IMF; FDI.	Addition of UNCTAD and omitted international trading environment.

बी.कॉम. भाग – एक

अनिवार्य

समूह–3 प्रश्नपत्र – 1 – व्यावसायिक पर्यावरण

वर्तमान पाठ्यक्रम	प्रस्तावित पाठ्यक्रम
इकाई – 1 भारतीय व्यावसायिक पर्यावरण : अवधारणा, संघटक व महत्व। आर्थिक प्रवृत्तियॉं : आय, बचत एवं विनियोग, औद्योगिक प्रवृत्तियॉं; व्यापार एवं भुगतान सन्तुलन, मुद्रा , वित्त तथा कीमत।	**इकाई – 1** व्यावसायिक पर्यावरण : अवधारणा, संघटक व महत्व, आर्थिक प्रवृत्तियॉं : आय, बचत एवं विनियोग; व्यापार एवं भुगतान सन्तुलन, मुद्रा एवं वित्त ।
इकाई – 2 विकास की समस्याऍं : बेरोजगारी ,निर्धनता एवं क्षेत्रीय असन्तुलन, सामाजिक अन्याय, मुद्रास्फीति, समान्तर अर्थव्यवस्था , औद्योगिक रूग्णता।	**इकाई – 2** विकास की समस्याऍं : बेरोजगारी ,निर्धनता एवं क्षेत्रीय असन्तुलन, सामाजिक अन्याय, मुद्रास्फीति, समान्तर अर्थव्यवस्था , औद्योगिक रूग्णता।
इकाई – 3 शासन की भूमिका : मौद्रिक एवं राजकोषीय नीति, औद्योगिक नीति, औद्योगिक लाइसेंसिंग नीति ,निजीकरण , अवमूल्यन, निर्यात–आयात नीति, विदेशी विनियोग का नियमन ।	**इकाई – 3** शासन की भूमिका (वर्तमान परिदृश्य में) : मौद्रिक एवं राजकोषीय नीति, औद्योगिक नीति, औद्योगिक लाइसेंसिंग नीति ,निजीकरण , उदारीकरण, भूमण्डलीकरण, अवमूल्यन, विमुद्रिकरण निर्यात–आयात नीति, विदेशी विनियोग का नियमन ।
इकाई – 4 पुर्व योजनाओं की समीक्षा , चालू पंचवर्षीय योजना : मुख्य रणनीति, संसाधनों आबंटन।	**इकाई – 4** भारत में आर्थिक नियोजन : आवश्यकता , उद्देश्य एवं व्यूहरचना, पुर्व पंचवर्षीय योजनाओं की समीक्षा , चालू पंचवर्षीय योजना । विदेशी विनिमय प्रबंध अधिनियम 2000 : अवधारणा एवं मुख्य प्रवधान।
इकाई – 5 अंतराष्ट्रीय पर्यावरण : अंतराष्ट्रीय व्यापारिक पर्यावरण , विश्व व्यापार की प्रवृत्ति एवं विकासशील देशों की समस्याऍं, विदेशी व्यापार एवं आर्थिक विकास , अंतराष्ट्रीय आर्थिक समूह– अंतराष्ट्रीय अर्थव्यवस्था की संस्थाये, विश्व व्यापार संगठन , व्यापार एवं प्रशुल्क एवं व्यापार संबंधि सामान्य समझौता (गैट) , विश्व बैंक , अंतराष्ट्रीय मुद्रा कोष , अंतराष्ट्रीय पुनर्निमाण एवं विकास बैंक, प्रति व्यापार , एफ. डी. आई.।	**इकाई – 5** अंतराष्ट्रीय पर्यावरण : विश्व व्यापार की प्रवृत्ति एवं विकासशील देशों की समस्याऍं, विदेशी व्यापार एवं आर्थिक विकास , अंतराष्ट्रीय आर्थिक समूह– प्रशुल्क एवं व्यापार संबंधि सामान्य समझौता (गैट) , विश्व व्यापार संगठन, विश्व बैंक , अंतराष्ट्रीय मुद्रा कोष ,प्रत्यक्ष विदेशी निवेश, संयुक्त राष्ट्र व्यापार एवं विकास संगठन (अंकटाड़)।

Suggested Readings:

1. Agarwal A. N. : Indian Economy, Vikas Publishing House Delhi. (English medium)
2. Khan Faroog A : Business and Society; S. Chand , Delhi. (English medium)
3. Dutt R. and Sundharam K. Pm. ; Indian Economy; S. Chand , Delhi. (English medium)
4. Misra S.K. and Puri V.K. : Indian Economy; Himalaya Publishing House, New Delhi. (English medium)
5. Dr. V.C. Sinha; Business Environment; SBPD Publishing House, Agra . (Both Hindi and English medium)
6. Dr. J. K. Jain; Business Environment; Madhya Pradesh hindi Granth Academy: Bhopal. (Hindi medium)
7. Gupta & Pathak; Business Environment; Ram Prasad & Sons, Raipur. (Hindi medium)
8. S.K. Singh; Business Environment; SBPD Publishing House, Agra . (Both Hindi and English medium)

B.Com Part- I

Compulsory

Group – III – Business Economics   Paper – II– BUSINESS ECONOMICS

OBJECTIVE – To acquaint the students with the principles of Business Economics as are applicable in business.

Present Syllabus	Proposed Syllabus	Remark
UNIT –I Introduction : Basic problems of an economy ; Working of price mechanism. Elastcity of Demand ; Concept and measurement of elasticity of demand ; Price, income and cross elasticity ; Average revenue , marginal revenue, and elasticity of demand; Determinates of elasticity of demand; Importance of elasticity of demand.	**UNIT –I** Introduction : Definition ,Nature and Scope of Economics, Difference Between Micro and Macro Economics, Method of Economic Study : Inductive and Deductive Methods. Basic problem of Economy, Working of Price Mechanism. Utility Analysis: Measurements of Utility, Law of Diminishing Marginal Utility, Law of Equi-Marginal Utility.	Addition of Introduction of Economics, Method of Economic study & Utility Analysis.
UNIT –II Production Function ; Law of variable proportions ; Iso-quants; Expansion path; Returns to scale; Internal and external economies and diseconomies.	**UNIT-II** Law of demand: Meaning and Definitions, Effecting Factors, Types ; Exception of Law of demand. Elasticity of Demand : Concept, Definitions, Importance, Types and Measurement of Elasticity of Demand, Factors affecting the Elasticity of Demand.	Addition of Law of Demand.
UNIT –III Theory of Costs : Short-run and long-run cost curves – traditional and modern approaches. Market Structures 1 Market structures and business decisions ; Objectives of a business firm. (a) Perfect Competition ; Profit maximization and equilibrium of firm and industry; Short-run and long-run supply curves; Price and output determination, Practical applications. (b) Monopoly : Determination of price under monopoly ; Equilibrium of a firm ; Comparison between perfect competition and monopoly; Multi-plant monopoly ; Price Discrimination. Practical applications.	**UNIT –III** Production : Factors of Production ,their characteristics and importance. Production Functions : Law of Variable Proportions, Return to scale and Equal Product Curve Analysis. Internal and external economies and diseconomies.	Addition of Factor of Production.

Present Syllabus	Proposed Syllabus	Remark
UNIT –IV Market Structure (a) Monopolistic competition : Meaning and Characterstics; Price and output determination under monopolistic competition ; Product differentiations; Selling costs; Comparision with perfect competition; Excess capacity under monopolistic competition. (b) Oligopoly : Characteristics, indeterminate pricing and output Classical models of oligopoly ; Price leadership ; Collusive oligopoly.	**UNIT –IV** Market Structure – Concept , Characteristics, Classification. Determination of Price under condition of Perfect Competition, Imperfect Competition and Monopoly, Monopolistic Competition, Oligopoly and Duopoly.	
UNIT –V Factor Pricing-1 : Marginal Productivity theory and demand for factors; Nature of supply of factor inputs; Determination of wage rates under perfect competition and monopoly; Exploitation of labour. Factor pricing-II : Rent concept, Recardian and modern theories of Rent quasirent. Interests concept and theories of interest ; Profit-nature , concept and theories of profit.	**UNIT –V** Theories of distribution, Marginal Productivity theory of distribution, Concept and theories of Wages, Rent, Interest & Profit.	

बी,कॉम. भाग – एक

अनिवार्य

समूह–3 प्रश्नपत्र – 2 – व्यावसायिक अर्थशास्त्र

वर्तमान पाठ्यक्रम	प्रस्तावित पाठ्यक्रम
इकाई – 1 परिचय : अर्थशास्त्र की मुख्य समस्याएं , कीमत संयंत्र के कार्य, मांग की लोच , मांग की लोच मापने की विधियां एवं अवधारणाएं : कीमत , आय तथा आडी लोच, औसत आगम, सीमान्त आगम एवं मांग की लोच , मांग की लोच का निर्धारण तथा मांग की लोच का महत्व।	**इकाई – 1** परिचयः अर्थशास्त्र की परिभाषा, प्रकृति एवं क्षेत्र, व्यष्टि एवं समष्टि अर्थशास्त्र में भेद, आर्थिक अध्ययन की प्रणालियां : निगमन एवं आगमन । अर्थव्यवस्था की मूल समस्याएं, कीमत संयंत्र का कार्यकरण। उपयोगिता विश्लेषण – उपयोगिता की माप, सीमांत उपयोगिता ह्रास नियम , समसीमांत उपयोगिता नियम ।
इकाई – 2 उत्पादन फलन, परिवर्तन अनुपात का नियम , समोत्पाद , विस्तार पथ, पैमाने के प्रतिफल , आंतरिक एवं बाह्य मितव्ययिता एवं अपमितव्ययिता।	**इकाई – 2** मांग का नियम : अर्थ, परिभाषा , प्रभावित करने वाले धटक, मांग के रूप, मांग के नियम के अपवाद। मांग की लोच : अवधारणा, परिभाषा, महत्व, प्रकार एवं मापन की विधियां, मांग की लोच को प्रभावित करने वाले धटक।
इकाई – 3 लागत अवधारणाएं , अल्पकालीन एवं दीर्घकालीन लागत वक्र, परम्परागत एवं आधुनिक विचारधारा। बाजार संरचना तथा व्यावसायिक निर्णयन, व्यावसायिक फर्म के उद्देश्य। (अ) पूर्ण प्रतियोगिता , लाभ अधिकतमीकरण तथा फर्म का साम्य , औद्योगिक अल्पकालीन एवं दीर्घकालीन पूर्ति वक्र, कीमत एवं उत्पाद निर्धारण। (ब) एकाधिकार : एकाधिकार मे मूल्य निर्धारण , फर्म का साम्य , पूर्ण प्रतियोगिता एवं एकाधिकार में अन्तर ,एकाधिकार के अंर्तगत कीमत विभेद।	**इकाई – 3** उत्पादन : उत्पादन के कारक ,उनकी विशषताएं एवं महत्व। उत्पादन फलन : परिवर्तनशील अनुपातों का नियम , पैमाने का प्रतिफल ,समोत्पाद वक्र विश्लेषण। आंतरिक एवं बाह्य मितव्ययिता एवं अपमितव्ययिता।
इकाई – 4 बाजार संरचनाः (अ)एकाधिकृत प्रतियोगिता : आशय एवं विशेषतांए , कीमत एंव उत्पाद निर्धारण , उत्पाद विभेद , विक्रय लागत, पूर्ण प्रतिस्पर्धा से तुलना , अतिरिक्त क्षमता सिद्धांत। (ब) अल्पाधिकार : विशषताएं , कीमत एवं उत्पाद निर्धारण , परंपरागत मॉडल, कीमत नेतृत्व , कपटपूर्ण अल्पाधिकार।	**इकाई – 4** बाजार संरचनाः अवधारणा, परिभाषाएं, विशेषताएं एवं वर्गीकरण। पूर्ण प्रतियोगिता, अपूर्ण प्रतियोगिता, एकाधिकारी प्रतियोगिता, एकाधिकृत प्रतियोगिता ,अल्पाधिकार एवं द्वयाधिकार में कीमत निर्धारण। **इकाई – 5**

वर्तमान पाठ्यक्रम	प्रस्तावित पाठ्यक्रम
इकाई – 5 कीमत कारक– I सीमान्त उत्पादकता सिद्धांत तथा मांग कारक, पूर्ति की प्रकृति, पूर्ण प्रतियोगिता एवं एकाधिकार में मजदूरी दर का निर्धारण ,श्रम का शोषण। कीमत कारक – II – लगान अवधारणा , रिकार्डो का लगान सिद्धांत तथा लगान का आधुनिक सिद्धांत , ब्याज अवधारणा तथा ब्याज का सिद्धांत लाभ की प्रकृति , अवधारणा तथा लाभ के सिद्धांत।	वितरण का सिद्धांत : सीमान्त उत्पादकता का सिद्धांत , मजदूरी, लगान, ब्याज एवं लाभ की अवधारणा एवं सिद्धांत ।

Suggested Readings:

1. John P. Gould, Jr. and Edward P. Lazear: Micro economic theory; All India Traveller, Delhi. (English medium)
2. Koutsoyianni A. : Modern Microeconomics: Macmillan, New Delhi. (English medium)
3. Khan Faroog A : Business and Society; S. Chand , Delhi. (English medium)
4. Misra S.K. and Puri V.K. : Indian Economy; Himalaya Publishing House, New Delhi. (English medium)
5. M. L. Jhingan : Micro Economics, Vrinda publication, Delhi. (Both English and Hindi medium)
6. Dr. J. K. Jain; Business Economics; Madhya Pradesh hindi Granth Academy: Bhopal. (Hindi medium)
7. Dr. V.C. Sinha; Business Economics; SBPD Publishing House, Agra. (Both English and Hindi medium)
8. Dr. Jai Prakash Misra; Business Economics; Sahitya Bhawan Publication, Agra. (Hindi medium)